10. अक्षर-ज्ञान

- अक्षर-ज्ञान कवित्री परिचय समकालीन हिंदी कविता में अपनी एक अलग पहचान रखनेवाली कवयित्री अनामिका का जन्म 17 अगस्त 1961 ई० में मुजफ्फरपुर, बिहार में हुआ। उनके पिता श्यामनंदन किशोर हिंदी के गीतकार और बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष थे। अनामिका ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० किया और वहीं से पीएच० डी० की उपाधि पायी। सम्प्रति, वे सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में प्राध्यापिका हैं।
- अनामिका कविता और गद्य लेखन में एकसाथ सक्रिय हैं। वे हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखती - हैं। उनकी रचनाएँ हैं - काव्य संकलन: 'गलत पते की चिट्ठी', 'बीजाक्षर', 'अनुष्टुप' आदि आलोचना : 'पोस्ट-एलिएट पोएट्री', 'स्त्रीत्व का मानचित्र' आदि। संपादन: 'कहती हैं औरतें' '(काव्य संकलन)। अनामिका को राष्ट्रभाषा परिषद् पुरस्कार, भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार, गिरिजा कुमार माथुर पुरस्कार ऋतुराज साहित्यकार सम्मान आदि प्राप्त हो चुके हैं।
- एक कवयित्री और लेखिका के रूप में अनामिका अपने वस्तुपरक समसामयिक बोध और संघर्षशील वंचित जन के प्रति रचनात्मक सहानुभूति के लिए जानी जाती हैं। स्त्री विमर्श में सार्थक हस्तक्षेप करने वाली अनामिका अपनी टिप्पणियों के लिए भी उल्लेखनीय हैं।
- प्रस्तुत कविता समसामयिक कवियों की चुनी गई कविताओं की चर्चित श्रृंखला 'कवि ने कहा' से यहाँ ली गयी है। प्रस्तुत कविता में बच्चों के अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया के कौतुकपूर्ण वर्णन-चित्रण द्वारा कवयित्री गंभीर आशय व्यक्त कर देती हैं।
- अक्षर-ज्ञान पाठ का अर्थ समकालीन हिन्दी कविता में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली कवयित्री और लेखिका के रूप में अनामिका अपने वस्तु परक और समसामयिक बोध और संघर्षशील वंचित जन के प्रति रचनात्मक सहानुभूति के लिए जानी जाती है। स्त्री विमर्श में सार्थक हस्तक्षेप करनेवाली अनामिका अपनी टिप्पणियों के लिए भी उल्लेखनीय हैं। प्रस्तुत कविता समसामयिक कवियों की चुनी गई कविताओं की चर्चित श्रृंखला 'कवि ने कहा' से यहाँ ली गयी है। प्रस्तुत कविता में बच्चों के अक्षर ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया का वर्णन किया गया है। बच्चों का अक्षर ज्ञान वैविध्यपूर्ण होता है। उसके मनोभावों को पढ़ना और उसके सहज बोध के द्वारा सीखाना अध्यापक अध्यापिका की शिक्षण कला का प्रदर्शन होता है। बच्चों को पढ़ाने के लिए स्वयं बच्चा बनना पड़ता है। माँ पहली अध्यापिका होती

है। जीवन बोध की पहला अक्षर ज्ञान उसी के द्वारा प्राप्त होता है। 'क' लिखाने की प्रक्रिया पूरी भी नहीं होती है कि 'ख" आकर नीचे उत्तर जाती है। 'ग' में बेचैनी दिखती है कि 'घ' घड़ा की तरह लुढ़क जाता है। वस्तुतः कवयित्री माँ और बेटे के माध्यम से अक्षर ज्ञान को सहज बोध को अपने ढंग से प्रस्तुत करना चाहती है। माँ-बेटे अक्षर ज्ञान के लिए अथक परिश्रम करते हैं फिर भी असफलता ही हाथ लगती है। पहली विफलता पर आँसू छलक जाते हैं। ये आँसू ही अक्षर-ज्ञान का पहला अक्षर हैं। सृष्टि की विकास की कथा इसी अक्षर ज्ञान से लिखी हुई है।

Q 1. कवियित्री के अनुसार बेटे को आँसू कब आता है; और क्यों?

उत्तर :- सीखने के क्रम में कठिनाइयों का सामना करते हुए बालक थक जाता है । 'क' से लेकर 'घ' तक अनवरत सीखते हुए 'ङ' सीखने का प्रयास करना कठिन हो जाता है। यहाँ वह पहले-पहल विफल होता है और आँसू आ जाते हैं।

Q 2. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :- प्रस्तुत कविता में कवयित्री छोटे बालक द्वारा प्रारम्भिक अक्षर-बोध को साकार रूप में चित्रित करते हुए कहती हैं कि 'क' को लिखने में अभ्यास-पुस्तिका का चौखट छोटा पड़ जाता है। कर्मपथ भी इसी प्रकार प्रारंभ में फिसलन भरा होता है।

Q 3. खालिस बेचैनी किसकी है ? बेचैनी का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर :- खालिस बेचैनी खरगोश की है । 'क' सीखकर 'ख' सीखने के कर्मपथ पर अग्रसर होता हआ साधक की जिज्ञासा बढ़ती है और वह आगे बढ़ने को बेचैन हो जाता है । बेचैनी का अभिप्राय है आगे बढ़ने की लालसा, जिज्ञासा एवं कर्म में उत्साह।

Q 4. "अक्षर-ज्ञान" शीर्षक कविता किस तरह एक सांत्वना और आशा जगाती है ? स्पष्ट करें।

उत्तर :- कविता में एक प्रवाह है जो विकासवाद के प्रवाह का बोध कराता है। सांत्वना और आशा सफलता का मूलमंत्र है । अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया अति संघर्षशील होती है। लेकिन अक्षर ज्ञान करवाने वाली ममता की मूर्ति माँ सांत्वना और आशा का बोध कराती है।

Q 5. कविता के अंत में कवयित्री 'शायद' अव्यय का क्यों प्रयोग करती हैं ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :- यहाँ कविता के अंत में कवयित्री 'शायद' अव्यय का प्रयोग करके यह स्पष्ट करना चाहती है कि जो अक्षर-ज्ञान में बच्चों को मसक्कत करना पड़ता है वही मसक्कत सृष्टि के विकास में करना पड़ा होगा । शायद सृष्टि का प्रारंभिक क्रम इसी गति से चला होगा।

Q 6. बेटे के लिए 'ङ' क्या है, और क्यों ?

उत्तर :- बेटे के लिए 'ङ' उसको गोद में लेकर बैठने वाली माँ है। माँ स्नेह देती है, वात्सल्य प्रेम देती है। 'ङ' भी 'क' से लेकर 'घ' तक सीखने के क्रम के बाद आता है। वहाँ स्थिरता आ जाती है, साधनाक्रम रुक जाता है । ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार कर्मरत बालक माँ की गोद में स्थिर हो जाता है।

Q 7. कविता में तीन उपस्थितियाँ हैं । स्पष्ट करें कि वे कौन-कौन-सी हैं ?

उत्तर :- प्रस्तुत कविता में प्रवेश, बोध और विकास तीन उपस्थितियाँ आयी हैं। अक्षर-ज्ञान की प्रक्रिया सबसे पहले प्रवेश की वातावरण में प्रारंभ हुई है। उसके बाद बोध में कुछ परिपक्वता दिखाई पड़ने लगती है। अंत में विकास क्रम उपस्थित " होता है जहाँ निरंतर आगे बढ़कर अक्षर को मूर्तरूप देने का प्रयास सफल होता है ।

भावना

Q 8. 'कवयित्री अनामिका की 'अक्षर-ज्ञान' शीर्षक कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर :- अबोध बालक हिंदी वर्णमाला के अक्षर पाटी पर (स्लेट पर) साधने चला है। वह 'क' लिखता है, पर उसका 'क' निर्धारित स्थान की सीमा का उल्लंघन कर जाता है, वह चौखटे में नहीं अँटता। उसे बताया गया है कि 'क' से कबूतर होता है। उसका ध्यान 'क' लिखते समय कबूतर पर होता है, उसका 'क' रेखा के इधर-उधर फुदक जाता है। 'ख' के साथ भी यही होता है। वह जानता है-'ख' से खरहा होता है। 'ख' लिखते समय उसका ध्यान 'ख' से ज्यादा खरहा पर होता है। परिणामस्वरूप उसका 'ख' रेखा से उतर जाता है। वह अबोध बालक 'ग' भी ठीक से नहीं लिख पाता। उसका 'ग' टूटे हुए गमले-सा इधर-उधर बिखर जाता है। घड़ा जैसे लुढ़कता है ठीक उसी तरह उस बालक का 'घ' भी लुढ़कता हुआ-सा दिखता है। रेखाओं के बीच वह 'घ' सही-सही नहीं बैठा पाता। 'ङ' लिखते समय तो वह बहुत परेशान हो जाता है। वह 'ङ' को दो हिस्सों में बाँटता है-'ड' और 'ड' के बगल में लगनेवाला बिंदु (.)। 'ड' उसे माँ की तरह दिखाई पड़ता है और बगल का बिंदु (.) माँ की गोद में बैठे हए बेटे की तरह। माँ और बेटे को एक साथ साधने में अपने को असमर्थ पाता है। वह 'ङ' लिखने की कोशिश करता है, पर हर बार वह असफल हो जाता है। अपनी विफलता के कारण उसके आँखों में आँसू आ जाते हैं। बालक के उन सजह-निश्छल आँसू की बूंदों पर कवयित्री टिप्पणी करती है कि "पहली विफलता पर छलके ये आँस

ही/हैं शायद प्रथमाक्षर/सृष्टि की विकास-कथा के।" सृष्टि की विकास-कथा विफलता पर छलके हुए आँसू के प्रथमाक्षर से ही लिखी गई है शायद !

Q 9. "गमले-सा टूटता हुआ उसका 'ग'/घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका 'घ' " की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :- प्रस्तुत व्याख्येय पंक्तियाँ हमारी हिन्दी पाठ्य पुस्तक के 'अक्षर-ज्ञान' शीर्षक से उद्धृत हैं। प्रस्तुत अंश में हिन्दी साहित्य की समसामयिक कवयित्री अनामिका ने अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया में संघर्षशीलता का मार्मिक वर्णन किया है। कवयित्री कहती हैं कि बच्चों को अक्षर-ज्ञान की प्रारंभिक शिक्षण-प्रक्रिया कौतुकपूर्ण है। एक चित्रमय वातावरण में विफलताओं से जुझते हुए अनवरत प्रयासरत आशान्वित निरंतर आगे बढ़ते हुए बच्चे की कल्पना की गई है । 'ग' को सीखना गमले की तरह नाजुक है जो टूट जाता है। साथ ही 'घ' घडे का प्रतीक है जिसे लिखने का प्रयास किया जाता है लेकिन लुढ़क जाता है। अर्थात् गमले की ध्वनि से बच्चा 'ग' सीखता है और 'घड़े' की ध्वनि से 'घ' सीखता है।

अक्षर-ज्ञान

1. अक्षर ज्ञान कविता के कवि हैं—

(A) जीवनानंद दास

(B) रेनर मारिया रिल्के

(C) अनामिका

(D) अज्ञेय

ANS – (C)

2. कवयित्री अनामिका का जन्म कब और कहाँ हुआ है?

(A) 5 अगस्त, 1947 - गढ़वाल, उत्तराखंड

(B) 19 सितम्बर, 1927 - लखनऊ, उत्तरप्रदेश

(C) 17 अगस्त, 1961 – मुजफ्फरपुर, बिहार

(D) 18 फरवरी, 1916 – बदरघाट, पटना

ANS – (C)

3. सृष्टि की विकास- कथा का प्रथमाक्षर क्या है?

(A) सफलता की पहली मुस्कान

(B) विफलता के परिणामस्वरूप उत्पन्न क्रोध

(C) विफलता पर छलके आँसू

(D) सफलता पर उमड़ा उत्साह

ANS – (C)

4. कवयित्री अनामिका के अनुसार चौखटे में बेटे का क्या नहीं अँटता?

(A) क

(B) च

(C) त

(D) द

ANS – (A)

5. कवयित्री अनामिका ने सृष्टि की विकास-कथा के प्रथमाक्षर किसे माना है?

(A) विफलता पर छलके आँसू को

(B) जहाँ चाह वहाँ राह को

(C) सफलता की सीढ़ी को

(D) आगे बढ़ने की चाहत को

ANS – (A)

6. अनामिका .... हिन्दी कविता में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली कवयित्री है।

(A) समकालीन

(B) छायावादी

(C) प्रगतिवादी

(D) प्रयोगवादी

ANS – (A)

7. 'अक्षर-ज्ञान" कविता बच्चों के किस स्तर की शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित है?

(A) प्रारंभिक शिक्षण प्रक्रिया

(B) मध्य शिक्षण प्रक्रिया

(C) माध्यमिक शिक्षण प्रक्रिया

(D) उच्च माध्यमिक शिक्षण प्रक्रिया

ANS – (A)

8. कवयित्री अनामिका के अनुसार, सृष्टि की विकास कथा का प्रथमाक्षर क्या है?

(A) क

(B) ख

(C) अनवरत कोशिश

(D) विफलता के आँसू

ANS – (D)

9. कवयित्री अनामिका को कौन-सा पुरस्कार मिला?

(A) राष्ट्रभाषा परिषद् पुरस्कार

(B) भारत भूषण अग्रवाल

(C) गिरिजा कुमार माथुर पुरस्कार

(D) उपर्युक्त सभी

ANS – (D)

10. माँ बेटे सधते नहीं उससे और उन्हें सिख लेने की अनवरत कोशिश में उसके आ जाते हैं आँसू । प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता की है?

(A) मेरे बिना तुम प्रभु

(B) लौटकर आऊँगा फिर

(C) अक्षर ज्ञान

(D) हमारी नींद

ANS – (C)

11. कवयित्री अनामिका बिहार के किस जिला की है?

(A) दरभंगा

(B) मुजफ्फरपुर

(C) भागलपुर

(D) मोतिहारी

ANS – (B)

12. कवयित्री अनामिका के पिता है-

(A) श्यामनंदन किशोर

(B) हीरानंद शास्त्री

(C) गंगा दत्त

(D) रवि सिंह

ANS – (A)

13. अक्षर-ज्ञान' कविता चुनी गई कविताओं की चर्चित श्रृंखला से ली गई है।

(A) स्त्रीत्व का मानचित्र

(B) गलत पते की चिट्ठी

(C) कवि ने कहा

(D) बीजाक्षर

ANS – (C)

14. "गमले सा टूटता हुआ उसका ग - घड़े-सा लुढ़कता हुआ उसका घ प्रस्तुत पद्यांश के कवि हैं-

(A) जीवनानंद दास

(B) अज्ञेय

(C) कुँवर नारायण

(D) अनामिका

ANS – (D)

15. कवयित्री के अनुसार क्या घड़े-सा लुढ़क जाता है?

(A) तोता

(B) खरगोश

(C) ग

(D) घ

ANS – (D)

16. 'अक्षर ज्ञान' कविता में किस मनोविज्ञान का आधार लिया गया है?

(A) किशोर मनोविज्ञान

(B) स्त्री मनोविज्ञान

(C) बाल मनोविज्ञान

(D) शिशु मनोविज्ञान

ANS – (C)